

वशिव स्वास्थय सभा का 76वाँ सत्र

प्रलिमिंस के लयि:

[वशिव स्वास्थय संगठन](#), [वशिव स्वास्थय सभा](#), [G20](#), [आयुषमान भारत](#)

मेन्स के लयि:

वशिव स्वास्थय सभा में भारत की भागीदारी, वशिव स्वास्थय संगठन की कार्यप्रणाली, [चकितिसा पर्यटन में भारत का योगदान और महत्त्व](#)

चर्चा में क्यों?

[वशिव स्वास्थय संगठन \(WHO\)](#) के मुख्यालय जनिवा, [स्वटिज़रलैंड](#) में 21 से 30 मई, 2023 तक 76वीं वार्षिक [वशिव स्वास्थय सभा](#) का आयोजन किया गया।

- वर्ष 2023 की थीम है- "WHO at 75: Saving lives, driving health for all."
- 76वीं वशिव स्वास्थय सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थय मंत्री की भागीदारी [नेवैश्वकि स्वास्थय के प्रति भारत की प्रतिबद्धता](#) को उजागर किया।
- चीन और पाकस्तान के वशिध के कारण [ताइवान को WHO की बैठक से बाहर कर दिया गया था](#)।

वशिव स्वास्थय सभा:

- **परचिय:**
 - [वशिव स्वास्थय सभा \(WHA\)](#), WHO की नरिणय लेने वाली संस्था है, जिसमें WHO के सभी सदस्य देशों के प्रतिनिधिमिंडलों ने भाग लिया।
 - यह वार्षिक रूप से WHO के मुख्यालय, [जनिवा](#), [स्वटिज़रलैंड](#) में आयोजति की जाती है।
- **WHA के कार्य:**
 - संगठन की नीतियों पर नरिणय लेना।
 - WHO के महानदिशक की नयिक्ति।
 - वत्ततीय नीतियों का प्रशासन।
 - प्रस्तावति कार्यक्रम हेतु बजट की समीक्षा और अनुमोदन।

प्रमुख बदि:

- **स्थानीय लोगों के स्वास्थय के लयि वैश्वकि योजना:**
 - [स्थानीय लोगों के स्वास्थय के लयि एक वैश्वकि कार्ययोजना वकिसति करने हेतु मसौदा प्रस्ताव स्वीकार किया गया](#)।
 - इस योजना पर वर्ष 2026 में 79वीं वशिव स्वास्थय सभा में वचिर किया जाएगा।
 - स्थानीय लोगों के साथ परामर्श और उनकी स्वतंत्र, पूर्व एवं सूचति सहमति पर जोर देना।
 - गरीबी, हसिा, भेदभाव और स्वास्थय सेवा तक सीमति पहुँच जैसी चुनौतियों का समाधान करना।
 - प्रजनन, मातृ और कशिर स्वास्थय, कमज़ोर स्थतियों पर ध्यान देना।
 - सदस्यों से स्थानीय लोगों की वशिषिट आवश्यकताओं की पहचान करने के लयि नैतिक डेटा एकत्र करने का आग्रह करना।
 - स्थानीय आबादी के स्वास्थय और कल्याण में सुधार लाना।
- **ड्राउनगि से होने वाली मौतों की रोकथाम के लयि वैश्वकि गठबंधन:**
 - 76वीं WHA बैठक के दौरान डूबने से होने वाली मौतों की रोकथाम के लयि वैश्वकि गठबंधन (Global Alliance for Drowning Prevention) की स्थापना की गई।
 - वर्ष 2029 तक डूबने/ड्राउनगि से जुड़ी वैश्वकि सार्वजनिक स्वास्थय संबंधी चतिाओं को दूर करने का लक्ष्य नरिधारति किया गया है।

- WHO कार्रवाई का समन्वय करेगा और ड्राउनगि पर एक वैश्विक स्थिति रिपोर्ट तैयार करेगा।
 - ड्राउनगि से होने वाली मौतों की 90% से अधिक घटनाएँ नमिन और मध्यम आय वाले देशों में होती हैं।
- ड्राउनगि से होने वाली मौतों के आधिकारिक वैश्विक अनुमान को काफी कम करके आँका जा सकता है क्योंकि इसमें बाढ़ से संबंधित जलवायु घटनाओं और जल परविहन के दौरान होने वाली घटनाओं में डूबने वालों के आँकड़ों को शामिल नहीं किया जाता है।
- रसायन, अपशषिट और प्रदूषण पर मसौदा संकल्प:
 - 76वीं विश्व स्वास्थ्य सभा के दौरान रसायन, अपशषिट और प्रदूषण प्रभाव पर मसौदा प्रस्ताव स्वीकार किया गया।
 - WHO ने संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के साथ अंतःस्रावी विधितनकारी रसायन रिपोर्ट को अद्यतन करने का आग्रह किया।
 - रासायनिक जोखिम और स्वास्थ्य संबंधी चिंताओं पर सीमिति डेटा को लेकर प्रकाश डाला गया है।
 - यह प्रारूप कैडमियम, सीसा, पारा आदि जैसे खतरनाक रसायनों हेतु नियामक ढाँचे, बायोमॉनीटरिंग और जोखिम पहचान हेतु प्रोत्साहित करता है।
 - इसी खराब रासायनिक अपशषिट प्रबंधन और दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभावों पर चिंता व्यक्त की गई है।
 - मानव स्वास्थ्य के नहितार्थ और डेटा अंतराल पर WHO रिपोर्ट हेतु अनुरोध किया गया है।
 - लगी, आयु, वकिलांगता और हानिकारक पदार्थों पर डेटा संग्रह को महत्त्व प्रदान करना।
- WHO कार्यक्रम बजट:
 - WHO के सदस्य देशों ने वर्ष 2024-2025 हेतु 6.83 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बजट पर सहमति व्यक्त की, जिसमें नरिधारति योगदान में 20% की वृद्धि शामिल है।
 - पछिले कुछ वर्षों में मूलयांकन किये गए योगदानों में गरीबत आई है, जो WHO के वतितपोषण के एक-चौथाई से भी कम हेतु ज़मिमेदार है।
 - शीर्ष योगदानकर्त्ताओं में जर्मनी, बलि एंड मेलडिा गेट्स फाउंडेशन, अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम और यूरोपीय आयोग शामिल हैं।
 - स्वैच्छिक योगदान पर WHO की नरिभरता शासन संबंधी चिंताओं को उजागर करती है और नरितर तकनीकी सहयोग एवं लक्ष्य प्राप्ति की दशा को प्रभावित करती है।
 - वर्ष 2023 तक सभी के स्वास्थ्य में सुधार हेतु प्रभावी तकनीकी सहयोग प्रदान करने और ट्रपिल बिलियन लक्ष्य को प्राप्त करने की WHO की क्षमता में बाधा डालने वाले कारकों पर प्रकाश डाला गया।

नोट:

ट्रपिल बिलियन लक्ष्य: ट्रपिल बिलियन लक्ष्य सरल और सुगम है। WHO का लक्ष्य वर्ष 2023 तक नमिनलखिति की प्राप्ति है:

- 1 अरब से अधिक लोगों को सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज से लाभान्वित करना।
- 1 अरब से अधिक लोगों को स्वास्थ्य आपात स्थितियों से बेहतर ढंग से सुरक्षित करना
- 1 अरब से अधिक लोगों को बेहतर स्वास्थ्य और खुशहाली प्रदान करना।
- पुनः पूरतितंत्र:
 - सदस्य राज्यों ने विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के लिये वतित के अनुकूल वकिलप प्रदान करने हेतु एक नए पुनः पूरतितंत्र को स्वीकार किया।
 - वर्तमान में विश्व स्वास्थ्य संगठन का अधिकांश वतित वशिषिट स्वैच्छिक योगदान से आता है जिससे आवश्यकतानुसार वतित को स्थानांतरित किया जा सकता है।
 - पुनः पूरतितंत्र का उद्देश्य विश्व स्वास्थ्य संगठन के आधार खंड के गैर-वतितीय हसिसे को कवर करने और वतितीय स्थरिता सुनश्चिति करने के लिये स्वैच्छिक योगदान बढ़ाना है।

WHO वतितपोषण:

- नरिधारति मूलयांकन:
 - इसकी गणना किसी देश के सकल घरेलू उत्पाद के प्रतशित के रूप में की जाती है
 - WHO के कुल बजट में 20% से कम हसिसेदारी
 - इसे विश्व स्वास्थ्य सभा में प्रत्येक दो वर्ष में अनुमोदित किया जाता है
- स्वैच्छिक योगदान:
 - संगठन के वतितीयन के तीन-चौथाई से अधिक के लिये खाता
 - सदस्य राज्यों और अन्य भागीदारों द्वारा
 - आगे लचीलेपन के आधार पर वर्गीकरण:
 - मूल स्वैच्छिक योगदान (CVC):
 - यह पूरणत: बनिा शरत और लचीलेपन के सभी स्वैच्छिक योगदानों का 4.1% प्रतनिधित्व करता है।
 - वषियगत और रणनीतिक भागीदारी नधिः
 - आंशिक रूप से लचीला, वर्ष 2020-2021 में सभी स्वैच्छिक योगदान के 7.9% का प्रतनिधित्व करता है।
 - नरिदषिट स्वैच्छिक योगदान:
 - सभी स्वैच्छिक योगदानों के 88% का प्रतनिधित्व करने वाले वशिषिट कार्यक्रम संबंधी क्षेत्त्रों और/या भौगोलिक स्थानों के लिये कड़ाई से नरिधारति।

■ **महामारी प्रतिक्रिया अनुदान:**

- WHO महामारी सहति वैश्विक स्वास्थ्य आपात स्थितियों की प्रतिक्रिया पर वभिन्न स्रोतों से अतरिक्त वतितपोषण प्राप्त करता है ।
- **कोवडि-19 एकजुटता प्रतिक्रिया कोष** की स्थापना कोवडि-19 महामारी के दौरान सरकारों, संगठनों और व्यक्तियों से योगदान प्राप्त करने के लिये की गई थी ।

■ **भारत की भागीदारी:**

- इसने वैश्विक स्वास्थ्य प्रणालियों के सहयोग और लचीलेपन के महत्त्व पर बल दिया ।
- भारत ने **100 से अधिक देशों को 300 मिलियन COVID-19 वैकसीन वतिरण** में योगदान दिया ।
- **योग** और **आयुर्वेद** जैसी पारंपरिक प्रणालियों के महत्त्व पर बल दिया ।
- WHO ने भारत में **पारंपरिक चिकित्सा के लिये वैश्विक केंद्र** की स्थापना का जकिर किया ।
- **G20** थीम '**एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भवषिय**' का समर्थन किया ।
- स्वास्थ्य सेवा और **आयुष्मान भारत योजना** में भारत की उपलब्धियों को साझा किया ।
- WHO के नमिन और मध्यम आय वाले सदस्य देशों का समर्थन करने की इच्छा व्यक्त की ।
- मेडिकल वैल्यू ट्रैवल और **कषय रोग उनमूलन** के प्रताप्रतबिद्धता में भारत के योगदान पर प्रकाश डाला ।
- वशिव स्तर पर **आयुष उपचार को बढ़ावा** देने के लिये '**हील बाय इंडिया**' पहल पर बल दिया ।
- सभी के लिये **समावेशी विकास और स्वास्थ्य सेवा** के महत्त्व पर बल दिया ।

स्रोत: डाउन टू अर्थ

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/76th-annual-world-health-assembly>

